गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं!

हेरिटेज

श्रीनिर्मल विवेक स्कूल एवं पुनर्वास केन्द्र का मुखपत्र

जनवरी—2026

77 वें गणतंत्र-दिवस पर हार्दिक अभिनन्दन एवं शुभकामनाएं!

आई.सी.श्रीवास्तव
आई.ए.एस. (से.नि.)
अध्यक्ष

सम्पादकीय

देनहार कोई और है.....

''देनहार कोई और है, देत रहत दिन रैन
वो भरम हम पर धरें, ताते नीचे नैन!''

सुप्रसिद्ध कवि रहीम अपनी विनम्र दानवीरता के लिए सुविख्यात थे। कहा जाता है कि जब वे दान देते थे उनकी निगाहें सदा नीची रहती थीं। उनके समकालीन कवि तुलसीदास जी ने उन्हें लिख भेजा :

''ऐसी देनी देन जू , कित सीखै हो सैन,
ज्यों ज्यों कर ऊँचो उठै, त्यौं त्यौं नीचे नैन।''

उसके प्रत्युत्तर में रहीम दास जी ने उपरोक्त दोहा लिख के भेजा जिसका भावार्थ है -

''देने वाला तो कोई और ही है जो दिन रात भेजता रहता है, लोगों को ऐसा भ्रम होता है कि मैं दे रहा हूँ , इस लिए लज्जा से अपनी निगाहें नीची रखता हूँ।'' विनम्र दानवीरता की यह पराकाष्ठा है! सौभाग्य से नेक काम के लिए आज भी समाज में ऐसे विनम्र दानवीर मौजूद हैं जो समपर्ण के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

सोसायटी फॉर वेलफेयर ऑफ मेन्टली हेन्डीकैप्ड का यह विशाल वट-वृक्ष मेहता परिवार और समाज के अनेक गणमान्य, सेवाभावी समर्पित महानुभावों के बहुमूल्य मार्ग-दर्शन,सेवा-समपर्ण और परोपकार के संकल्पित प्रतिबद्धता का परिणाम है। समाज के अनेक दानवीर भामाशाहों के अतुल्य योगदान ने इसे पुष्पित-पल्लवित किया है। हाल ही में संस्थान को एक अभूत-पूर्व विशाल धनराशि संस्थान Corpus Fund में युवा दानवीर श्री गौरव भंडारी से प्राप्त हुई है। हमारे विशिष्ट बच्चों के कल्याण हेतु समर्पित ऐसे महान योगदान समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित करता है। मैं श्री गौरव भण्डारी की इस सहृदयता से अभिभूत हूँ ! पिछले कई वर्षों से समाज के अनेक गणमान्य महानुभावों ने हमारी संस्था को भरपूर आर्थिक सहयोग एवं समर्पण प्रदान किया है। उनमें से कुछ उल्लेखनीय महानुभाव स्व. श्री प्रकाश जी हीरावत, श्री जे.के. बैद, श्री सुरेश पोद्दार जी, पेट्रोनेट एल.एन.जी. , श्री बड़जात्या जी, A.U बैंक के श्री संजय एवं ज्योति अग्रवाल जी इत्यादि हैं। हाल ही में H.G. FOUNDATION के सहयोग से संस्थान के बेसमेंट का सम्पूर्ण नवीकरण का कार्य सम्पन्न हुआ और उसके साजो-सामान, फर्नीचर इत्यादि के लिए भी उनसे महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। मैं संस्था की ओर से

H.G. FOUNDATION का हृदय से धन्यवाद करता हूँ।

गणतंत्र-दिवस की मंगलमय शुभ-कामनाओं सहित,
वीरेन्द्र मेहता
(उपाध्यक्ष)

नवीनीकृत प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

हमारे संस्थान को भारत सरकार के Rehabilitation Council of India द्वारा विशिष्ट बच्चों को प्रशिक्षित करने हेतु डिप्लोमा कोर्स की स्वीकृति प्राप्त है। इस हेतु संस्थान के बेसमेंट में एक प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन विगत कई वर्षों से हो रहा है। श्रीनिर्मल विवेक परिवार की यह एक बड़ी उपलब्धि है कि H.G. Foundation के द्वारा C.S.R. कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदान की गई वित्तीय सहायता से हमारी संस्था के बेसमेन्ट के नवीनीकरण का कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण किया गया। इस सहयोग से बेसमेन्ट में स्थित प्रशिक्षण केन्द्र को आधुनिक सुविधाओं युक्त सुरक्षित एवं उपयोगी बनाकर विद्यार्थियों एवं स्टाफ हेतु बेहतर शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया गया। इस नवीनीकृत प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन समारोह दिनांक 15.08.2025 को H.G. Foundation के चैयरमेन श्रीमान विजेन्द्रजी चौधरी के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ।

बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 17.09.2025 को श्रीनिर्मल विवेक स्कूल की प्री-वोकेशलन एवं ई. आई.जी. कक्षा के बच्चे अपने कक्षा के अध्यापक मानवेन्द्र एवं अध्यापिका अनुराधा पारीक के साथ शैक्षणिक भ्रमण पर 'नेहरू गार्डन' गये। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के झूले , स्लाईड एवं ट्रेन की सवारी की। सभी बच्चों ने ट्रेन में बैठकर पूरा उद्यान देखा। ट्रेन में बैठकर बच्चे बहुत खुश हुए। उसके बाद बच्चे बिड़ला तारा-मण्डल देखने गये। प्री-वोकेशनल कक्षा के बच्चों ने स्वयं पैसे देकर तारामण्डल की टिकिट विन्डो से टिकिट लेना सीखा। इसके बाद सभी बच्चे सरस पार्लर गये जहां बच्चों ने दही-लस्सी, चिप्स, समोसे का आनन्द लिया। 18.09.2025 को Pre-Primary-I एवं II कक्षा के बच्चे भी अपनी कक्षा की अध्यापिका के साथ शैक्षणिक भ्रमण पर 'नेहरू गार्डन' गये। गार्डन में लगे हुए झूलों का बच्चों ने आनन्द लिया एवं सभी बच्चो को अल्पाहार करवाया गया।

समावेशी गरबा उत्सव

6 अक्टूबर 2025 को श्रीनिर्मल विवेक स्कूल में ''समावेशी गरबा उत्सव-2025'' का भव्य आयोजन किया गया। गरबा कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्णतः पारम्परिक ढंग से दुर्गा माता की आरती के साथ छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। श्रीनिर्मल विवेक स्कूल के मैनेजमेंट कमेटी से श्री वी.के.सिंघवी भी आयोजन में शमिल रहे। इस कार्यक्रम मे विशेष बच्चों व सामान्य बच्चों ने एक साथ भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समावेशिता की भावना को प्रोत्साहित करना तथा दिव्यांगता के प्रति सकारात्मकता को बढ़ावा देना था। गरबा महोत्सव में सभी विशेष स्कूलों व सामान्य स्कूलों के प्रिंसिपल्स को सम्मानित किया गया। आयोजन की सहयोगी संस्थाओं में नन्हें कदम सोसायटी, अहान फाउंडेशन, शुभचिंतक सहयोगी फाउंडेशन, वसुधा जन-विकास संस्थान शमिल रहे। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज व श्री गोपाल कृष्ण सेवा समिति के युवाओं ने स्वयं सेवकों के रूप में भागीदारी निभाई। विशेष बच्चों की संस्थाओं में करूणा स्पर्श फांउडेशन, ट्रेजर लैंड स्पेशल स्कूल, उत्कर्ष स्पेशल स्कूल, संभव स्कूल, प्रयास स्कूल के बच्चे शमिल रहे।

सभी बच्चे रंग-बिरंगी पोशाकों में अपने उत्साह के साथ तैयार थे। बच्चों ने गरबा की धुनों पर जमकर नृत्य किया। उपस्थित सभी अतिथियों ने भी साथ में गरबा का आनंद लिया।

शाबाश अनिशा

अनिशा विजय हमारी संस्था द्वारा संचालित 'समर्थ' व्यवासायिक पुनर्वास केन्द्र की एक होनहार छात्रा थी। पिछले वर्ष नियती के क्रूर हाथों ने उसे हमसे छीन लिया परन्तु अनिशा के परिवार का जुड़ाव आज भी हमारी संस्था के बच्चों के साथ बना हुआ है। अनिशा के परिवार की ओर से इस वर्ष भी उसका जन्मदिन 27 दिसम्बर को बड़ी धूम-धाम के साथ हमारी संस्था के बच्चों के साथ मनाया गया। इस दिन अनिशा

के परिवार ने सभी बच्चों के लिए एक ''ड्राईंग प्रतियोगिता'' रखी एवं सभी बच्चों एवं स्टाफ के लिए लंच की व्यवस्था की गई। पिछले 15 अगस्त को अनिशा के परिवार की ओर से एक लाख रूपये की आर्थिक सहायता संस्था के कॉरप्स-फंड के लिए दी गई थी। यह दिखाता है कि अनिशा आज भी हमारे बीच में ही है और बच्चों की हँसी में वह भी साथ में मुस्करा रही है।

वी.टी.सी उत्पादों की प्रदर्शनी

हमारी संस्था द्वारा संचालित समर्थ व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाते हैं जैसे - दीवाली

पर वन्दनवार, हैंगिंग, रंगोली, केण्डल, दीपक, की-होल्डर, पेपर मेशी के प्रोडक्ट्स, रक्षाबन्धन पर राखियाँ, गणगौर पर ईशर-गणगौर, सिलाई में थाल पोश, तुलसी ड्रेस, पोटली बैग, आदि। पेपर रिसाईकिल मशीन से पेपर शीट, सीड पेपर शीट, फाईल कवर, कैरी बैग, लिफाफे आदि के उत्पाद बनाना भी सिखाते हैं। बच्चों द्वारा निर्मित इन उत्पादों की प्रदर्शनियाँ विभिन्न स्थानों पर लगाई जाती हैं। इस वर्ष भी विभिन्न प्रदर्शनियों में इन उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, यथा - 21-22 अगस्त 2025 बिरला ऑडिटोरियम, 1-2 अक्टूबर 2025 होटल रॉयल ऑरकिड, 8-9 अक्टूबर 2025 होटल फ्रेन हैबीटेट, 13-17 अक्टूबर 2025 एच. एस.बी.सी. बैंक, 16 अक्टूबर 2025 रोटरी क्लब, 16-17 अक्टूबर 2025 एच.जी. फाउण्डेशन एवं 26-27 नवम्बर 2025 बिरला ऑडिटोरियम।

कच्छी घोड़ी

19.08.2025 को श्रीनिर्मल विवेक स्पेशल स्कूल में ''संगत संस्था'' के सौजन्य से कच्छी घोड़ी और परम्परागत गीतों से सजा एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्व कठपुतली कलाकार राज भट्ट, विनोट भट्ट,

इत्यादि कलाकार आए, जिन्होंने मनमोहक कठपुतली शो और नाटकों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की। यह कार्यक्रम 'राजस्थान फाउण्डेशन' के सहयोग से श्री अशोक राही जी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। संस्था सचिव श्री एन.के.मोदी एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री रजनीश सिंघवी ने सभी कलाकारों का सम्मान किया।

खेल प्रतियोगिता

25 नवम्बर 2025 को श्रीनिर्मल विवेक स्कूल के 9 विद्यार्थी, कोच एवं डिप्लोमा के दो छात्र विजय द्वार गांडिव स्टेडियम खेलने के लिए गए। इस की शुरूआत राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री माननीया श्रीमती दीया कुमारी एवं श्रीमती मल्लिका नड्डा ने की। बच्चों ने अलग-अलग खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें 3 विद्यार्थियों ने 100 मीटर दौड़ में, 1 विद्यार्थी ने

भाला फेंक में, 2 विद्यार्थियों ने शॉटपुट में, 4 विद्यार्थियों ने 200 मीटर दौड़ में भाग लिया, जिसमें से त्रिशा सोनी ने 100 मीटर में रजत पदक, अक्ष जांगिड़ ने 200 मीटर में रजद पदक, सोनू कुमार ने 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक एवं किशन शर्मा ने शॉटपुट में कांस्य पदक प्राप्त किया। सभी खिलाडियों ने मेडल के साथ सर्टिफिकेट प्राप्त किए। ये खेल प्रतियोगिता आर्मी स्टेडियम में आयोजित की गई एवं राजस्थान के लगभग सभी स्पेशल स्कूल के बच्चों ने भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 03.12.2025 को श्रीनिर्मल विवेक स्कूल में ''अन्तर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस'' कार्यक्रम ''साथी हाथ बढ़ाना'' थीम पर मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सी. एस. त्रिवेदी एवं अभिभावकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। विद्यालय परिवार ने कार्यक्रमों को एक छोटे मेले का रूप देते हुए ''साथी हाथ बढ़ाना'' थीम पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियां बच्चों एवं अभिभावकों के लिए अयोजित की गईं, जैसे ड्रामा, फन गेम्स, टारगेट गेम्स, डांस इत्यादि। वी.टी.सी. बच्चों ने बेकरी यूनिट और सैकेण्ड्री कक्षा के बच्चों ने सभी आगन्तुकों और अभिभावकों हेतु सेण्डविच एवं भेलपूरी का काउन्टर लगाया। यह दर्शाता है कि बच्चे आत्मनिर्भरता की ओर अपने कदम बढ़ा रहे हैं। संस्था के विशेष बच्चों के द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गयी ।

महानता

किसी भी व्यक्ति की 'महानता' उसकी संपत्ति, वैभव, यश या पद में नहीं, बल्कि उसके हृदय की विशालता में निहित होती है ! विशेषतः तब, जब किसी साधारण परिवार से निकला कोई व्यक्ति अपनी मेहनत, ईमानदारी और संवेदना के बल पर समाज में अपना विशिष्ट स्थान बनाता है, तो वह केवल सफलता का ही नहीं, बल्कि उदारता का भी प्रतीक बन जाता है ! ऐसी ही उदारता जब समाज के लाचार वंचितों, असहायों, ग़रीबों का हाथ थामती है तो 'महानता' कहलाती है !

किसी भी व्यक्ति के जीवन में अभाव और संघर्ष , दो ऐसी परिस्थितियाँ होती हैं जो उसे दृढ़ता के साथ चुनौतियों का सामना करते हुए नई बुलंदियों तक पहुँचने की प्रेरणा देती है !

साधारण परिवार में पले-बढ़े लोग अभावों को नज़दीक से महसूस करते हैं ! उन्हें पता होता है कि दूसरों की पीड़ा कितनी गहरी हो सकती है ! यही अनुभव उन्हें करुणा और सहानुभूति से भर देता है। जब ऐसे व्यक्ति समाज में आगे बढ़ते हैं, तो वे अपने साथ केवल अपनी सफलता ही नहीं लाते, बल्कि जरुरतमंद वर्ग की मदद करने को भी तत्पर रहते हैं ! उनकी उदारता दिखावे की नहीं होती, बल्कि जीवन के अनुभवों से उपजी हुई सच्ची संवेदना होती है !

ऐसे व्यक्ति दूसरों के दुःख को समझते हैं, इसलिए वे सहायता करते समय जरा भी अहंकार नहीं दिखाते ! उनके कार्यों में समर्पण के साथ सरलता और विनम्रता भी होती है !

लगभग 73 वर्ष पूर्व मध्य-प्रदेश के एक छोटे से गाँव नागदा के एक साधारण परिवार में जन्मे श्री वीरेन्द्र भंडारी ने परिवार के सीमित संसाधनों के साथ अपने संघर्षमय जीवन की शुरुआत की ! कदम कदम पर मिलने वाली चुनौतियों ने उन्हें न केवल निडर, निर्भीक , साहसी और आत्म-निर्भर बनाया बल्कि अभावों में जीने वाले असहायों के प्रति सहज दया, करुणा और संवेदना भी उनके हृदय में भर दी !

अपनी लगन, बुद्धि , परिश्रम, ईमानदारी और आत्म-बल के सहारे अपनी राह स्वयं बनाने वाले श्री वीरेन्द्र भंडारी ने अपने कर्म-क्षेत्र नागदा में "ग्रासिम इण्डस्ट्रीज़" में उत्तरोत्तर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए सफलता की कई ऊँचाइयाँ हासिल कीं !

अपने सफल जीवन से उन्होंने यह साबित कर दिखाया कि अभाव केवल कमी नहीं है, अपितु व्यक्ति के भीतर छुपी अपार संभावनाओं को जगाने वाला सार-तत्व भी है !

अपने "सादा जीवन उच्च विचार" वाली जीवन शैली को आत्म-सात करते हुए अपनी जीवन-संगिनी प्रभा के अक्षुण्ण स्नेह की लालिमा से देदीप्यमान जीवन में एक विलक्षण पुष्प खिला जिसकी पहचान "गौरव" के नाम से बनी !

अपने सीमित संसाधनों के चलते किसी भी माता-पिता के जो स्वप्न अधूरे रह जाते हैं , उन्हें वे अपनी सन्तान की सफलता में साकार होते देखना चाहते हैं ! वे अपनी प्रतिभावान, योग्य सन्तान में इसीलिए ऐसे ही प्रेरक, आदर्श संस्कारों का निरूपण करने का प्रयास करते हैं !

अपने ऐसे ही अनुकरणीय जीवन से वीरेन्द्रजी ने अपने सुपुत्र 'गौरव' के लिये यह सिद्ध किया कि सीमित संसाधन और संघर्ष जीवन की रुकावट नहीं बल्कि सफलता की सीढ़ियाँ हैं !

जो व्यक्ति हार नहीं मानता और निरंतर प्रयास-रत रहता है,वही जीवन की ऊँचाइयाँ छूता है !

ये ऊँचाइयाँ जीवन में अहंकार नहीं अपितु सहृदयता, सरलता , सहजता, विनम्रता लाए, यही जीवन की 'महानता' है !

अपने पिताश्री से जीवन के नैतिक मूल्यों की अनमोल धरोहर पाकर गौरव भंडारी एक सफल, सार्थक, सेवा-समर्पणमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं ! गौरव का लालन-पालन और प्रारंभिक शिक्षा नागदा जैसे छोटे से स्थान पर ही हुई जहां साधन सीमित थे, सुविधाओं का अभाव था लेकिन इससे संभावनाएँ ख़त्म नहीं हो सकीं !

गौरव की नन्ही मुट्ठियों में उम्मीदों का आसमान था,उसके पंखों में हौसलों की उड़ान थी, उसकी पलकों पर अनगिनत सपनों का बसेरा था और दिल में संकल्प था-मज़लूमों के आंसू पोंछ कर उनके होठों पर मुस्कराहट बाँटने का !

ग़ैरों के ग़म को अपना कर उनमें हर्ष-उल्लास, आह्लाद-उमंग और आशा की किरण जगाने की इसी भावना को अपने जीवन का ध्येय बना कर गौरव कई वर्ष पूर्व समाज के उपेक्षित मंद-बुद्धि बच्चों (जिन्हें आजकल 'विशिष्ट बच्चे' या 'दिव्यांग बच्चे' कहा जाता है) के कल्याण हेतु अपनी संकल्पित प्रतिबद्धता के साथ जुड़ गए !

मेहता परिवार द्वारा गत 37 वर्षों से जयपुर में स्थापित "श्रीनिर्मल विवेक स्पेशल स्कूल, हॉस्टल एवम् वोकेशनल ट्रेनिंग सेण्टर" से गौरव संपूर्ण आत्मीयता से जुड़े हुए हैं !

एक एकड़ भूमि पर अपने विशाल भवन में आज लगभग 135 बच्चों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का महती दायित्व Society for Welfare of Mentally Handicapped, Jaipur द्वारा संचालित " श्रीनिर्मल विवेक संस्थान" द्वारा पूरी लगन , मेहनत एवम् तन्मयता से निभाया जा रहा है !

हालाँकि अभी गौरव मुम्बई के सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठान MONARCH Networth Capital Ltd. के CEO हैं , (जिसका net profit इनके मात्र छः साल के कार्यकाल में दो करोड़ से बढ़कर 150 करोड़ हो चुका है), फिर भी अपनी व्यस्तता के बावजूद गौरव पूरी शिद्दत के साथ इन विशिष्ट बच्चों के कल्याण हेतु समय-समय पर बहुमूल्य योगदान देते रहते हैं ! कोई दिखावा नहीं , कोई आडम्बर नहीं, कोई अहंकार नहीं ! धन्य हैं समाज के ऐसे भामाशाह, धन्य है उनकी दानवीरता और धन्य है विशिष्ट बच्चों के लिए उनके दिल में पलती उनकी करुणा ! यह हमारा सौभाग्य है कि श्री गौरव भण्डारी कई वर्षों से संस्थान के माननीय Patorn Member भी हैं।

अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि हाल ही में श्री गौरव भंडारी ने हमारे विशिष्ट बच्चों के कल्याण हेतु संस्थान के Corpus Fund में 2.01 करोड़ रुपये का अभूतपूर्व, महती योगदान दिया है ! संस्थान के इतिहास में यह अब तक की सबसे पड़ी उपलब्धि है ! श्री गौरव भंडारी के इस उल्लेखनीय सहयोग हेतु "श्रीनिर्मल विवेक परिवार' अपनी हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता है !

श्री गौरव भंडारी के ऐसे संस्कार, समर्पण-भाव, दया और करुणा को देखकर निस्सन्देह हम सबका मस्तक गर्व से गौरवान्वित हो रहा है ! मानवीय संवेदनाओं की ऐसी अनुभूति ही सही मायने में मनुष्य को 'महानता' प्रदान करती है !

इसीलिए मैं कहता हूँ -

जब लक्ष्य स्पष्ट हो, संकल्प दृढ़ हो, इरादे नेक हों, हौसले बुलन्द हों और प्रयास ईमानदार हों तब मंजिल अवश्य मिलती है !

श्री गौरव भंडारी के समर्पण हेतु यही कहूँगा :

कुछ होते हैं जो जीवन में,स्वयं दिशा बन जाते हैं,
हर कदम पर बन के ज्योति पुंज जीने की राह दिखाते हैं !
मानवता का मूल मंत्र जीवन में, शिद्दत से अपनाते हैं,
पलक झपकते, लाखों-करोड़ों, न्यौछावर कर जाते हैं !
अपने पुण्यों की पूँजी को जो असहायों पर ही लुटाते हैं,
सेवा के ऐसे साकार प्रतिमान 'गौरव भंडारी' कहलाते हैं !
कुछ होते हैं जो जीवन में, स्वयं दिशा बन जाते हैं !

मानव सेवा के ऐसे अनुकरणीय आदर्श को सादर नमन !

-वीरेन्द्र मेहता
(उपाध्यक्ष)

।। श्रद्धांजलि ।।

हमारी कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य श्रीमान रजनीशजी सिंघवी की पूज्य मातुश्री श्रीमती सुशीलाजी सिंघवी धर्मपत्नी श्री पी.सी.सिंघवी के आकस्मिक देहावसान पर श्रीनिर्मल विवेक स्पेशल स्कूल परिवार अपनी भावाभीनी श्रद्धांजलि समर्पित करता है।

प्रकाशक एवं मुद्रक

Society for Welfare of Mentally Handicapped

Managing: ★**ShreeNirmal Vivek Special School & Hostel**
★**"SAMARTH" Vocational Training Centre (VTC)**
★**ShreeNirmal Prerana Institute of Special Education & Research**

4-A, J.L.N.Marg, Behind Dainik Bhaskar, Jaipur - 302015,Ph.:0141-2711683, website: www.shreenirmalvivek.org
Delhi Address: S-247, Greater Kailash Part -2, New Delhi-110048 (Mob. 9810088299)